

DPN 5846

Title : मदन विनोद नाम निघण्टु MADANA VINODA NĀMA NIGHAṆṬU

Run. No. 6537

Cat. No.

Micro. No.

Subject कोश (चिह्नित))

Religion : Hindu / Bauddha

Lexicon (Madhura)

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 23.5 x 7.5

Folios 36

Lines (in a page) 6

(missing 1-4, 6-8, 23, 28, 30, 36-38, 47-59, 61-92, 94-103)

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

हरिहरानन्द वैद्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Hariharanananda Vaidya

Script : New. / Dev. / Bhuja. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

मदनविन्दो नाम्नि निघण्डो

दाव प्रसाहनावृहत्कानसायनी॥मल्लयुधि॥ ॥एष्ययर्षिकाएष्ययर्षिकाधावनीकलः
 सीगुहा॥२॥मल्लविनामिलिताएथकयर्षिवयर्षिका॥एष्ययर्षिलघुवृथासधुनाकवि
 नागयर्षिनकासासनिदाहृष्टदावप्रयवमिदमाज॥एष्ययर्षि॥ ॥वृहतीस्कूलेश
 र्षिकीविगदावमहाटिका॥वार्त्ताकीमहतीसिंहिकेष्टकीनाष्टिकाकूलीवृहतीय
 हिशीहृष्टायावनीकरुवागजिगु॥उक्ताकृष्टकानक्षसंनकागमिनीमौड्यजिगु॥तव
 कर्षिकेनि॥ ॥कृष्णानिकाकष्टकिनीकष्टकानीनिदिगिधका॥इत्यर्षधावनीकूडोस्या
 द्वाष्टीदृष्टप्रधर्षती॥सिगकूडावन्दुहोसालप्रशमप्रुदगिका॥कष्टकानीसनोतिकोव
 द्वादीयेनीलघु॥कृष्णकायावनीकोगमसदानकदानितानु॥निहन्तिपीनस

पां र्भयी जकमिह दामयात ॥ चिकुधठ कठकिन ॥ ॥ लायक कठकिननाम ॥ ॥ क
 स्वा र्थी यं वमूलं स्यात्स्यं च रि एभं कृ नादिरि ॥ वली पिला निलहन ना ल्प कं सा इव ह
 न ॥ लघु यं वमूल ॥ ॥ अना र्थी यं वमूलं स्यात्स्यं दग मूल मुदा हन ॥ दोषं यं स्यात्सं का म
 गी न र्थी जय ननु कान ॥ गन्धा खेद दानाना हनू विदा र्थं न आ जय न ॥ दग मूल ॥ ॥ म
 दि ॥ सखं यं गल स्यात्सिद्धि ॥ सखं जे न पि य ॥ म वि गृ ह्णान्ध ॥ स्यात्सं म गलं अ वगी वस
 ॥ ॥ या र्थं यं गल स्यात्सिद्धि नथ तदा कया ॥ म दि र्बल्य पिदा यधो मु कला मधनं गुर
 ॥ ॥ वृद्धि र्ग र्थं यदा सीता वृथा का मं क्रया र्म न ॥ ॥ उलं ॥ ॥ उलं ॥ ॥ का काली मधना यो
 ना काय स्यात्सिद्धि न गृ किका ॥ ॥ धां काली या यसां ली स्यात्सं मी सी यय सिनी ॥ ॥ द्वितीया

नाम
 ३

३ तु विं विनी

मूषका कासुता ॥ धमी प्रत्यकु ॥ धमी वदंजिका ॥ दली दयं स न ॥ पाकं न स्यात् ॥ क इ दीप न ॥
 तीक्ष्णं हनि पिरु सृ क ॥ क र ॥ म हा द न रु मी न ॥ द ति नं ना ॥ ॥ ॥ जयपालो द निवी
 ॥ ॥ ऊ र्था नं नं हि नी रं ल ॥ ॥ जयपालो पु नू त्रि ॥ ॥ धा र्थी पिरु क रू प रु ॥ ॥ जयपाल ॥ ॥
 ॥ ॥ वृत्तं र्थान् र्थ स्यात्सु कृ ट न वा हिनी ॥ ॥ स वा नू र्थ ति रू वृ तारु प टा स न ला सिता ॥
 ॥ ॥ वृत्तं र्थान् काल मं वी काल पं ध र्थ व दिका ॥ ॥ सख न ॥ स्यात्साल वि का म स न वि दला
 मगा ॥ ॥ वृत्त काला ही न गु ण स्यात्सु व वि न वनी ॥ ॥ मू र्छा दा रु म द ज नि क ॥ ॥ क
 ॥ ॥ वा स मी न रु ॥ ॥ क रू पा कं क र ॥ ॥ म वि र ॥ ॥ म हा द न रु मी न ॥ ॥ ला य क र ॥ ॥ ३

र्वसकाविनी॥ हाकुरु वन॥ ॥ॐ नुवान्म (थनुका वयरा की गवादिनी॥ उन्दीवा
 न॥ कडरुला विष्मलन्दी विवादिनी॥ अन्य नुवान्म विष्मलन्दी विष्मलन्दी॥ आत्म
 नकाना गदनी उपसी गजविर्द्धी॥ (धनपुष्पा मृगमकी चतथय दसनामनाम नरु
 वाकमियुहा विष्मलन्दी चकीर्तिता॥ उन्दीवा नरुदयैतिकी कटपाक सनलघु॥ वीथी
 कामला पिरुकरुप्रीहा दनापहं॥ तव कषट॥ विवाकषट॥ ॥ आनय (धनाऊव
 क॥ सम्पाक॥ कतमालक॥ व्याधिघात॥ कर्त्तिकान॥ प्रयुह॥ धनुन॥ आनायनि

श्रीरुर्ध्व॥ क॥ (धुर्दीर्घरुलामत॥ आनय (धनुन॥ स्वाद॥ लीगला मृदुनचन॥ दन
 दडागपिरुकरुवा नादावर्लुलजित॥ तत्पथी वानलीय हिमिकी पिरुकरुपहं॥
 तन्मज्जाम धनापाके विष्मल॥ पिरुसमीनजित॥ दिगुरुल॥ ॥ नीलिनी नीलिकाग्रमाणी
 रुलारानवाहिनी॥ नैजिनी कालिकामला रुनी उत्कावि (धधनी॥ नीलिनी नवनीतिका
 क॥ माह उमापहा॥ उष्माहिरु दनाप्रीह वानपिरुकरुनिलान॥ नीलिनीनाम॥ ॥
 कटपा नाहिनीतिका चकीर्तिता॥ मत्पथी कालिका सुनहाकुरु ददिजागिका॥
 अमिगुनसिज

श्रीगणेशनामस्मृत्याद्यकलाद्यकलादनी॥ कटकाकटकापाकनिकात्रकासनाल
 घ॥ हिमाहनिहमित्वासदाहपिरुकरुद्वाने॥ केटकीनाम॥ केटक॥ ॥ श्रीका
 लकेसाप्ररुलेपीतसाभानिकाचक॥ एकसहाविनवीस्यादुसिगादीर्घकीलक॥ श्री
 कासक॥ कटसिग्धकीकासुवनालघ॥ नचन॥ कमित्वालोमा॥ धव॥ धवविषाप॥
 तत्तुलेलीतलेखाद॥ धवलेहनेगुन॥ वलीविनचनेवातपिरुदाहकयाधजित॥ १०
 जकाज्ञ॥ ॥ ॥ स्रु॥ अवकउदमुगभीनावडउदक॥ स्रुहीसमकडग्धासिप

ॐ४

शवकीनहात॥ स्रु॥ नचनकीकादीपन॥ कटकागुन॥ धूलमदीलिकाभानगुल्य
 क्षादवानिलान॥ हकिदावात्रविषयीहकक्षामादास्यपाधुता॥ सिरवाननि॥ ॥
 निष्ठा॥ नियमनीनेता॥ निष्ठा॥ स्यात्यानिरुडक॥ स्रु॥ स्रु॥ स्रु॥ स्रु॥ स्रु॥ स्रु॥
 डक॥ निष्ठा॥ धीतालयुगहीकटपाकागिवातहत॥ वधपिरुकरुदि॥ कटकहस्ता
 समहनु॥ तत्तुलेरुदनेसिग्धमुखकटहनेलघ॥ निष्ठा॥ ॥ महानिष्ठा॥ निष्ठा
 नक॥ कामकाविषमुखक॥ नम्याकागिनिष्ठा॥ इकाकीनस्याक॥ धमृदिक॥ महानि

भास्मिभानूकस्मिकाग्रहीकषायक॥ करुपिरुहमिच्छुर्दिकुषरुहन्नासनकजित् ॥ ॥
 वकसिं ॥ ॥ किनातलिक० केनागास्मिनिभानामसनक॥ किनातको० भानेपोलाना
 जीति ॥ काहनाक० ॥ काधुस्मिकाद्रितिक० स्यान्निडाभि० सन्निपातह्ना ॥ किनागावात
 लाहृक० शीतलस्मिककालघृ० ॥ सन्निपातकनस्थसका० पिरुसुदाहृनृत् ॥ स्वाथ ॥
 ॥ ॥ कटजामल्लिकापृष्ठा० कालिं० गगिनिमल्लिका ॥ वत्सक० कटज० कोष्ठीवृक्ष ॥
 क० क० क० क० ॥ कटज० क० क० क० दीपनसुवनाहिम० ॥ न० ॥ तिसानपिरुसु

करुहृद्गामकृष्टनृत् ॥ तरुलेवातलीहीर्षीतिर्कपिरुसिसानजित् ॥ कटवीज ॥ ॥ ॐ श्री
 जवस्मस्मैरुलकलिगे० कीतजामत० ॥ जेदायवभुिदायघृ० संग्रहीशीतल० कट० ॥ कनागी
 साननका० ० क० मिवीसर्षपैकृष्टनृत् ॥ ॐ नृजव ॥ ॥ मदनधृष्टन० पिष्टीना० ० पिष्टीत
 क० रुल ॥ कनहाटस्थगन० ० मल्यकोविषपृष्ठाक० ॥ मदनावामनस्मिकावीर्याध्वारुदना
 लघृ० ॥ नृकाकृष्टकदानाह० ॥ रुद्रुल्यवृक्षपहृ० ॥ मदनरुल ॥ ॥ केकृष्टकाककेकृष्टवच
 नैर्नगनायक ॥ सारुनैर्पलकेकासेवनीगीकि० ॥ वालक ॥ केकृष्टवचनैर्किकेकृष्टवधुकाक ॥

शोकनाम १

कमि (म) रुदना ध्यान गुल्माना रुक रूप है ॥ उ कलवीन ॥ ॥ रुमाका कनक की नीरुम दुग्धी
हिमावती ॥ रुमाका वचनी निका मदन पूछे का निधी ॥ कमि कन्द करामा रुविष कष विना
मिनी ॥ डीचि ॥ ॥ सातला विमला सानी सफला वदू रुनका ॥ वर्म साका चर्म कसा रुना
दीपावना लिका ॥ सातला कद्र का पाक वातला ही तलाल पृष्ठ ॥ तिका (म) रुक रुना रुपि
रुदावरुन क किन्तु ॥ सातलानाम ॥ ॥ मृमैका वालका पशु यम पशु ॥ सप पशु क ॥ ॥
कृत्य गद्य यानि ४ सोत्तु दली पापनाशनै ॥ मृमैक सुवना ग्रहीणी ता मृ ४ करु वात किन्तु ॥

निहकि गलग मुगु गमुमाला गलामयान ॥ तत्तु लै लै पनी ग्रही पुन (म) निलाप है ॥ मृ
मृमैक ॥ ॥ कावना न ४ कावन क ४ पूकानी न क पूष्य क ॥ काविदा ना ३ स्य रु द ४ स्यात्तु द
न ४ कृषुली कृली आरुटा द्वा मृ क ४ स्वल्प के दान मनी मच ॥ कावना नाहि भा ग्रही पुवन ४
(म) पि रु नृत्त ॥ कमि कषु रुद रुस गमुमाला पुष्प पृष्ठ ॥ काविदा ना पित दत्तात्पृष्ठी न
तथा लै पृष्ठ नृ के संग्रहि पिरुा पु प्रदन कृत काशनृत्त ॥ कवनान ॥ काविदान ॥ ॥ निरुष्टी
स्वत कसु म ४ सिन्दु क ४ सिन्दु वान क ॥ रुत के धप नील ४ सिन्दु की नील पृष्प क ॥ (म) रुलि

काशीतरी नृ० वनकानी लम ३३ नी ॥ निर्गुही स्मृतिदातिका कषाया कटुकालघु ॥ कंठ
 नंदहिता हृदि लूल (मथममानुगत ॥ कमिकृष्टानुवि (धृष्टा वृक्षननीलापितदिधा ॥
 तायुवाधा सिधा ० ॥ उवाधा सिधा ० ॥ ॥ मयष्टी मरुवल्ली संपर्प दष्टा जष्टिका ॥
 मृन्ना पुदक्षि मवर्त्ता वृत्तिकाली विवाहिका ॥ मयष्टी नसतिका वातला काटनाली ॥
 नृकापाक ॥ कटु ४ पिरु बुधा (धृष्टा किं लुल नुत ॥ मयष्टी ॥ ॥ पुनर्नवा (धृष्टतमूल ४ पृथी १३
 कादीर्घ पत्रक ४ ॥ विमधा दीर्घ वर्षा ४ पुनर्न मधुल कटु ४ ॥ पुनर्न वासन तिका नृकापाम

ना

वृष्टी कोर २३

धनाकटु ४ ॥ (मरु निल बुधा (धृष्टा रुना नृचा नसायनी ॥ स्वत पुनर्नवा ॥ ॥ पुनर्नवा पना न
 कनक पृष्ठा कठिष्ठक ४ ॥ कनक ४ कटु वर्षा ४ वर्षक नृ ४ सिवाटिका ॥ पुनर्नवानुमतिकार
 दृषा काहिमालघु ४ ॥ वातला ग्रहिणी (धृष्टा पिरु विनाहिनी ॥ नक पुनर्नवा ॥ ॥ नात्मा
 नम्याय कनसा नसना गधना कली ॥ सगधि मलाति नसा (धृष्टा सीस वहा नसा ॥ नात्मा मया च
 नीतिका पुनृष्टा (धृष्टा वातजित ॥ सोरु (धृष्टा समीना सुवातु लुधा दनापहा ॥ पुनर्नवा ॥ ॥
 अथ नवा पुनर्नवा (मक धृष्टा वना रुक ४ ॥ वना रुक धृष्टा वना रुक धृष्टा वना रुक ४ ॥ वना रुक धृष्टा वना रुक ४ ॥

स्वगन्धनिल (ध्रुव) (मरु) विप्रक्यापरा ॥ वल्लानसायनी तिका कवाया ध्वनि शुक्ला ॥ न
 स्वगन्धनाम ॥ ॥ प्रसानशी नाऊ वलावान पधू प्रतानिका ॥ सनधी सानधी रुडा पधू सप
 सनासना ॥ प्रसानधी गुनर्व्यास सभान वलकृत्सना ॥ वीर्याध्यावातन रिका वातन ककला
 परा ॥ गन्धप्रसानशी ॥ ॥ सतावनी दीपल पुदीपिका वनकछका ॥ नाना यशी सतपदी
 सतपाद द्रुपिका ॥ सतावनी गुनृषी ताखा इति सभानसायसी ॥ शुक्लस्य नाक नावला
 वातपिलास (मरु) कित् ॥ जूरीनरु ॥ ॥ सतावरी ईकध्मनापीवनी दीवनीवनी ॥

जूरीनर्वद्रुपयाव मरुपूषदमिका ॥ सहगुवीर्या कलीस्या दुगिनी सुकूपिका ॥ म
 हासतावनी मध्म द्रुपा रूषा नसायसी ॥ सतवीर्या निरुक्ष (म) ग्रही मयना मयान ॥
 तदशुवनिदा वध्माल घनर्क्षक्या परा ॥ गव मरु नरु ॥ ॥ वलावाद्यान कछीने
 पाकावाधो लनादया ॥ रुडादनी समेगस्य सती साखनयधिका ॥ वदियाल ॥ ॥
 मरुवलावीन पूषी सरुदवी वरुदला ॥ याद्यायनी दवसरा वाद्यास्या र्पात पूषिका ॥ ॥
 मरुवला ॥ ॥ वल्लिका निवलाना गविध्व दवाग वधका ॥ वल्लिका निवलाना नवाडी

स्मरुद्वगभिनी॥ वरुद्वलानाम॥ ॥ गभं (गनूकी नागवला विष्णुदवागवंधुका॥ रुद्रा
 हं॥ ॥ वलाचतुष्टयं हीतमधुनैव लकानिकृत॥ त्रिं (ध्रुव) हीतमीनार्तिपिरुधुक्त
 नाशनै॥ आसी वरुद्वलाकुरुंति वातानुलामनी॥ युवी नागवलापृष्ठा विरहाषाडुधु
 पिरुजित॥ वल्यानसायनीपुस्तवर्द्धनी वं हहीतथा॥ तस्याहर्लहिर्मैसाइरुमूनैगुन
 सवेन॥ विर्वधध्यानजननी॥ नकपिरुनिवर्द्धनी॥ वलाचतुष्टयगुध॥ ॥ गजसिनी १५
 तजवनी तजिन्यश्चनक्कला॥ महाजसीपाविजा ताहीनातिकातिभजिनी॥ गजसिनी

कुरुद्वसकाधस्यामयवातजित॥ पावनपुष्पाकदम्बिका नविवद्विप्रदीपनी॥ गजमति॥
 ॥ ॥ आतिषाणीवद्वि नविश्को गुही कटलीतथा॥ आतिषाणीकदम्बिका सनाकरु
 समीनजित॥ अष्टपुष्पावामनी तीक्ष्णवद्वि वृद्धि स्मृतिपदा॥ कविला॥ ॥ देवदानुस
 नाक्षस्याड्डदानुस नद्रुम॥ रुद्रकाक्षेस्वरु वृद्धि कि लिर्मैसाकुदानुव॥ देवदानुस
 सिग्धतिकाष्टलघुनालयत॥ आध्यानकुरु (सध) महिका कद कदानिलान॥ देव
 दान॥ ॥ अनलो नन्दनस्वधोनमनर्दीपवृक्षक॥ प्रतिदानुषपीतवृक्षो महादी
 धीदा

र्थकलिदुमः॥सनलःकटुकःपाकनसधामधुनालघुः॥उष्णःस्निग्धःसमीनादिकलकधुः॥
 शुभापहः॥थसि॥ ॥पूकनादपप्रपुष्टीपोकनेपूकनादयः॥काष्ठीनीपूकनउटामूल
 वीनसगन्धिकः॥पूकनेकटुकैतिकमूर्ध्वागतकरुकनान्॥हनिः(ग)हानुविध्यमवि(ग)
 वात्यार्धलनृत॥पूकलामूल॥ ॥कृशनागहस्त्यवायुकीवनेपात्रिरुडकः॥पानि
 हायपानिरागामत्यलहनिरुडकः॥कृशमूर्ध्वाकटुस्वादुतिकःपुष्पदलघु॥हनिवाग
 शुवीसर्वप्रकाशकृशमनूकनान्॥कट॥ ॥६॥कलीलशुद्धीस्यादकाककटु

१४
 १५

नहाधावाष्टुनाश्रीनतीगपि॥६॥कवायातिकाष्टाहतिहिधाव
 मिहवान्॥७॥पिरुकटुस्वासकयका(ग)हमानुमान्॥कटुटासि॥ ॥नाहिर्यक
 नृत्तिलुतीकेसनलरुष्टी॥८॥मर्कपोकनेपोनेक्षमर्कदवगन्धकी॥नाहिर्यकटुक
 पाकतिकोष्टुवनेजयत्॥कटुदुडागपिरा(ग)हलकाशकरुकनान्॥पलसधा
 स॥ ॥कटुलकमृदाकशीथीपर्शसामपादप॥सामवलकामहाकशीरुडारुड
 वतीनिवा॥कटुलकुवनेतिककटुवातकरुकनान्॥हनिवागप्रमहा(ग)काशक

मयान्वी॥कवलवसकव॥ ॥रुगीरुगुरुवापप्राकाशप्रीरुगपर्वदी॥स्वनक्षकैकु
मातादेजीवाप्रहायविका॥रुगीनूकाकद्रुसिकान्वाप्रापावनीजयत॥॥थकाशक
रुक्षसपीनसकनमान्तान॥रुगिक॥ ॥पावहारुद०पावा॥॥मेनिरुदा॥परुद
क०॥गिलारुदा॥दृषदुदानोगरिन्नगरुदन०॥पावाहारुदमुवनाहीनस्यावसि॥॥
धन०॥सनसिकं॥प्रमहार्ज०रुद्रु॥मेनिरुजाजयत॥पावाहारुग०॥ ॥मूर्खवाविधना
मम॥॥विन्दक०॥वानाहा॥॥॥घनारुडेमूर्खानाऊकसनरु०॥पिमुमूर्खवि

११
२२

षर्षसीनागभान्य०प्रकीर्णित०॥मूर्खकद्रुहिर्मग्रहितिकैदीपनपावनी॥कषायकमिपिरुव
करुतुप्राकनापह॥कसन॥॥सासकसन॥ ॥धातकीकैऊनासीधपृथ्वीप्रमहिनीमदा॥
पार्वतीयातामुपृथ्वीमूर्खकमशवासिनी॥धातकीकद्रुकाहीतामदकुरुवनालष०॥रुद्र
नीसानपिरुसुविषमिविसर्षप्रकित॥धनिसान॥ ॥भावकावालिकाम्बसादीदीदक
स०अधिक॥अम्बुकी॥विमूर्खीकषायाकृतमूर्खी॥माविकाज्ञानसापाककषायाहीन
लालष०॥पकानीसानपिरुसुकद्रुकक्षमयापहा॥पथलि॥ ॥विदविकावृकवल्ली

कृ३
इ
मायिनाम

मदकन्दादि २

वृक्षकन्दाविदानिका॥ ॐ गलिकाकन्दवल्ली स्वादकन्दापलासक॥ मन्वागुक्ताकीनवल्ली
दीनेगुक्तापयस्विनी॥ ॐ वृक्षमहात्वताकीनकन्दगन्धिका॥ विदानीमधुनास्त्रिधावृ
हतीरुन्धुक्ता॥ गुनृषिरुगुपवनदाहृहनिनसायनी॥ विदानिकन्द॥ ॥ जामाह
मस॥ ॥ वानाहीमाधवीगृष्टि॥ लोकनीवनमालिका॥ मस्या॥ कन्द॥ किटि॥ काउना
मासवनकन्दक॥ वानाहीमाधवीकन्दकदितिकातिगुक्ता॥ वल्पापिरुक्तावातकन्द
हृमीनहनन्॥ वानाहीकन्द॥ ॥ पा० अम्वरावृहृत्तिकाप्राचीनाम्वरकीनसा॥ वनाति

१८

क्तापापवल्ली॥ प्रयसीसिद्धकर्षिका॥ पा० अम्वरावृहृत्तिकावात॥ अम्वरावृहृत्तिका॥ हृनि
धूलवनकन्दिकृष्टानीसानहृदुक्त॥ दाहकधुविषयसकिमिगुल्मादवृष्टमन॥ वाना
लघु॥ ॥ मूर्वादीमधुनसादव॥ प्रधीमधुगुवा॥ त्रिधपधुपृथक्धुमानेडापील
पधुका॥ मूर्वासनागुनस्वादितिकापिरुक्तामहनन्॥ विदावृष्टगुहृङ्गाकन्दकृष्ट
नापहा॥ मूर्वा॥ ॥ मञ्जिष्टाविक्रयानकानकांगीकालमधिक॥ नकयशीमाप्रव
ल्लीसमगभवृष्टवृष्ट॥ मञ्जिष्टाविक्रयानकानकांगीकालमधिक॥ मञ्जिष्टामधुनालिका

5

10

15

20

कवायाखनवर्धकृत॥ एननृषाविष(धृष्ट्या)समरुथानृदिधूलनृत॥ नकागीसानकृशासु
 विसर्षयवृक्षमरुजित॥ तद्वाक्यदीपनंत्वाइतिगंधपिलानिलापदं॥ मनथि॥ ॥ हनि
 दानऊनी(गो)नीनंऊनीवनंवर्धनी॥ पिशुपीतावर्धवतीनिष्ठावर्धदिलासिनी॥ हनि
 द्राकट्टकानितानृक्षाम्रा(गंध)पिरुनृत॥ वस्मत्त(दा)वर्ममहाधु(सम)रुपोधुवृत्तापह॥ ह
 ललि॥ ॥ दावीदानृहनिदान्यापीनदानपर्वपव॥ कटंकटनीपीतडं॥ स्वर्धवर्ध॥
 कटंकटि॥ दावीनृहदि(गंध)वातुनंउकधूस्यनागमृत्॥ मिचकिसि॥ ॥ प्रपृन्नाट॥

४ x वदुलखातथसामाकृष्टीसमतापना x 13

हृ

त्विउगउखकमद॥ प्रपृन्नाट॥ ददृष्टामदकाभयकसम॥ वृष्टकनन॥ प्रपृन्नाटा
 लघु॥ स्वादृष्ट॥ पिरानिलापह॥ दद्याहिमकद॥ सकृष्टदृष्टमीनऊथत॥ ह
 र्वाष्टीनृल्लैकधुष्टदृष्टविषानिलानृ॥ वातनकापहंतस्य॥ कंककनैल्लेष्ट॥
 प्रपृन्ना॥ ॥ वाकवीचमृदुकासामवल्लीप्रतिह्लावना॥ सामनाजीकृष्टरुल्लवल्मुक॥
 कालमधिक॥ वाकवीमधुनातिकाकट्टपाकानसायनी॥ विष्टमिनीहिमानृषास
 नाहृष्टासुपिरुनृत्॥ तत्तुल्लैपिरुष्टुतृष्टुवातकरापह॥ वकवि॥ ॥ रुद्र

लीनसतिकाकरा। र्भस्मरूपाधुता॥ नाथयदामिनीतीकुराहकिहिकाहमिदुनान॥
 बालवास॥ ॥ हंसपादीहंसपदीनकपादीप्रियादिका॥ प्रज्ञादनीकीटमात्री
 कीटमानीमधुधवा॥ हंसपादीगुनूशीताहकिनकविषवृधन॥ विसर्गपदाहारी
 साननूताहतामनापिषी॥ हंसपाद॥ ॥ सामवल्लीयहनतोसामकीनोदिऊपि
 या॥ सामवल्लीप्रिदावल्लीकद्रुक्तकावसायनी॥ सामवल्ली॥ ॥ नाकलीसुवहासर्ग २२
 गन्धिनीगन्धनाकली॥ नकलेशामतासर्गनजुवीवितपयिका॥ नाकलीउवना॥

वीरककाति १

- विवनाहिनी॥ पादककाति॥ ॥ विष्णुकानानीलपृथ्वीऊयावक्षयनाजिगा॥ विष्णुकाना
 - कद्रुर्मध्वाहमिबुहाकरानऊयत॥ विष्णुकानानाम॥ चेटकूल॥ ॥ हरिवपृथ्वीहरिवनाम्नी
 किनीटीकसुमालिनी॥ कम्पपृथ्वीस्मितिहितामक्षवनविलासिनी॥ हरिवपृथ्वीसिनामध्वा
 मनवताविकानिधम॥ नसायनीकवाथाश्रास्मिदिदामाहनाहिनी॥ हरिवपृथ्वी॥ ॥
 इग्निकामधुपृथ्वीसातुदीनिदीखाइपृथ्विका॥ इग्निकाश्रुगुनूकावातलागर्हकानिधी॥
 खाइविहरीनिनीवृथाकेरुकरुहमीनऊयत॥ इडमकति॥ ॥ अर्कपृथ्वीकूनकर्मऊ

लकामारिनिन्दिका ॥ अर्कपूषीरुमि (धृष्टमा रुन्विज विकानजित ॥ अर्कपूषी ॥ ॥
रुल्लानकानलारुली वीनवृक्षा निवक्रक ॥ नानूकनरुथानूकेपनामिमुरवीधनू ॥
रुल्लानक ८ कवाथोपू ८ गुकलामधुनालघू ॥ वात (धृष्टादनादा रुकृष्टा (भृष्टरुदीग
दाने ॥ रुकिगुल्लमकनन्विजवक्रिमीयिकमिकेनान् ॥ वालाल ॥ ॥ चनयाटादीर्घपञ्च
कनेलीतिककामता ॥ चनयाटाहिमानूका रुदिनी (धृष्टका ८ जित ॥ चनयाटा ॥ ॥ २४
डासपूषी (धृष्टनकीपालिन्दीकृतयानिक ॥ रुयानि (धृष्टिकाडादीकीहिन्वावृक्षता

नक४॥ प्राणपूषीयुनून्काखादूष्मावातपिरुद्धत॥ रुदिनीकामला॥ अरुद्धमिच्छत्रुनालधृ॥
पतकाचूत्तान॥ ॥ प्राङ्गीसानखनीसामासत्याकावुक्त्रवा निधी॥ माधुकपल्लीमाधुकी॥
वाष्पीदिव्यमहावधी॥ कपातर्वकामनिकालावन्नासामवल्लीली॥ प्राङ्गीहिमासनात्वाडल
घर्मध्वानसायधी॥ स्वनस्मृतिप्रदाकृष्णपाधुमहाधकाडाजित॥ विष॥ अरुद्धनरुनातद
त्पुष्पकपल्लीनी॥ मंदोगिनि॥ तवसनकन॥ ॥ सुवर्चलार्ककान४सूर्यरक्तसुखाद्रवा॥
सूर्यावरुनविप्रीतात्वन्पावुक्त्रसुवर्चला॥ सुवर्चलायुन४॥ ध्वनामृगुलाकरुवातजित॥

जू न्यात्मा कुरु मं हा म कुरु व न ह नालघू ॥ सूर्य रुक ॥ वन म ऊट ॥ ॥ मत्स्या की वा
 द्रि काम स्या गंधिमत्स्या दनी तथा ॥ मत्स्या की य हि सी णी ता कुरु पिरु क रु सु न र ॥
 मे चू छी नाम ॥ ॥ गाय पिय ल्य च वल्ली पल्लव न ४ कै च टं तथा ॥ जल पिय लि का रु या
 व रु या गु क लाल घू ॥ सी ग्र हि नी हि मा नू दान क दा ह व ध मं ॥ जल पिय लि ॥ ॥
 (म जि द्वा (म जि की (म री दी र्घि का ख न प र्छि नी ॥ (म जि द्वा वा त ला णी ता ग्र हि सी
 क रु पिरु वृत् ॥ द्र या प्र मं ह का ण सु व द ह नालघू ॥ म्भ व प लै क ॥ ॥ ना ग का

पहा ३

२५
२५

लूना

दमनी नाग गन्धा जुग ग प र्छि का ॥ स्या नाग दमनी व र्ध्वा तं न स व प वि षा म हा ॥ ध क रु
 ना ॥ ॥ गुं जा नि ख धि का ता ग्र न कि का का क न नि का ॥ (स्थ ता न्या च कि का रु जा द र्मा वा
 का क पी ल का गुं जा के ष्वा व ल क ना त्व न्या पिरु क रु पा प हा ॥ नि ग्र म य रु ना वृ या रु नि क रु
 ग्र रु व र्ध म न ॥ रु मी नु लू फ क रु नि त द न ख ता पि षा र्प न ॥ का रु ख मि ग म ल ॥ ती य र वा मि
 म्ब ल ॥ ॥ वं छ न न दी र्घ प या वी नू र्द व ल प ग्र क ॥ वं छ न नो म नू र्द री क रु क रु नि
 ला र्छि जि त् ॥ व ल वं ना ॥ ॥ व न्दा क रु स्या रु क रु हा (म खे नी का म रु क रु ॥ रु क रु द नि

कामतनूः कामिन्पापदनाहिनी ॥ वन्द्यकः करुवातातुनकावहाविषापहः ॥ यागु
 डिसि ॥ ॥ पिभुलः कनहाटः स्यात्कीलः कूलैगकः ॥ पिभुनामधूनः
 गीतः ॥ मरुपिरुकरूपहः ॥ गुडिसकः ॥ ॥ छिक्कि काकवकः कुनोनासासंवेदनः
 पदः ॥ छिक्कि कापिरुलोककमिवातकरूपहः ॥ हाक्कुडु ॥ ॥ नाहिनादाडिमी
 पूषा नाहितः कटः मल्लमिः ॥ श्रीरानी नाहिनी नाहीनकघ्नः ॥ पा निजानकः ॥
 नाहीनकासनायुल्मयकस्त्रीहादनापहः ॥ नाहितानाम ॥ ॥ भाचकः स्यात्मा

२४
 २५

वनसः मल्ललीवककस्तः ॥ भावनिर्यासकः पिबुभाचघ्नवीचवदकः ॥ भाचकः गी
 तलाग्रहीगुनर्वृषागिसानेडितः ॥ प्रवाहिकामवातासकरुदाहनिवर्दः ॥ सिमनसः ॥
 अजगन्धः वरुगन्धः कवचीपूतिवर्धनः ॥ अजगन्धालघून्यादयादकरुवातजितः ॥ अ
 जगन्धः ॥ ॥ सलेयकसरुचनः सनयः किंकिनातकः ॥ दासीसरुचनः मिष्टीसौर्यका
 मृदुकः ॥ नकपयः कूरचकः पीतपयः कूरचकः ॥ नीलः मूरुगलः प्राकावाः
 आदनपाकः पि ॥ सनयः कूरवातासकरुपाधुविषापहः ॥ तिकाभूमधूनः कः ॥ मल्लसूत्रि
 वाक्कि ॥ दि

गध ४ कंठनंजन ४ ॥ तापूष्पाद् अथाववापताजातसहचनखान ॥ ॥ स्वतस्यन्दा ॥ धनपू
 ष्याकटलीगिनि कर्षिका ॥ सितापनाजिता ॥ धनाविषघ्नीमहनामिनी ॥ नीलस्यन्दा च ग
 धा नीलपूष्पागवादिनी ॥ ॥ धनस्यन्दा दयैनी नीयहृष्टि कष्टकृत ॥ कष्टसूत्र जिदा
 वाम ॥ धनरुद्रा विषायहृ ॥ वंशाश्रयनादिता ॥ ॥ ॥ कन ४ कन ४ कौ दं ४ ४ का किला
 क ४ कन ४ त ४ ॥ नीलक ॥ धनी प्रविद्धा लका वक्त्रगंधिक ॥ कनक ४ नीतला वृथायु
 नूवाता प्रपिरुजित ॥ मयानानाम ॥ ॥ कर्षास ४ पट ४ सुल ४ दना वादन ४ पिचू ४ ॥

नक २

२१

२७

वातहृन्नास्त्रियुक् ॥ हा ० जालि ॥ ॥ मूर्च्छ ४ सूर्याद्य ४ कीनी सदापूष्पाविकीनदा ४ ॥ मन्दा
 नावसकावकानिजार्हादीर्घपत्रक ४ ॥ मूर्च्छ ४ दयसर्पवातकृष्टकसुविषवृद्धन ॥ निहकिप्री
 हगुल्मा ॥ धनयकृत ॥ धाद नकमीन ॥ मूर्च्छ ४ नता ॥ ॥ कनवीनी ४ धना ॥ धनपूष्पा ४
 तर्करक ४ ॥ नक पूष्पा पन ४ धना ॥ धनगुठ ४ कनवीनक ४ ॥ कनवीचदयैतिकै ॥ धनरुद्रा व
 धापह ॥ लघुपूष्पा मिकसुप्ररुक्ति विषवत्तम ॥ कनवनखाननता ॥ ॥ धन ४ क
 तवाधुर्द्धादवतामदन ४ १० ४ ॥ उन्मरुतामा तुलसूली तनल ४ कनकाद्य ४ ॥ धन ४ नम

पनं वृषं (धर्मल ४ पवनापल ४ ॥ चन्दनपर्यटखान ॥ ॥ थानाहूमीमुखतिलक ४ कदानम
स्रुन नथीमदननृपलनिमित्त ॥ ॥ यं (था) रुन्मदनविनादनामिपू (म) व (म) र्त्तयित्तलि
नपदांकिता रुयादिष्टि ॥ ॥ ॥ इति श्रीमदनपालविनचित्तमदनविनादनामिनिघ
(म) समग्रदिवर्ग ४ प्रथम ४ समाप्त ४ ॥ १ ॥ ॥ नमः ४ श्रीसदाशिवम् ॥ ॥ ॥
तद्विनाजितमध्यसदायथीनूचिनपनमदनमक ॥ श्रीजगदीश्वरनाथसदाशिवविष्णुप
दंविषदंविनिहनु ॥ ॥ शुद्धीविष्णोवधंविष्णुकद्रुद्रकद्रुद्रकट ॥ महोषधं

[illegible]

मनिव॥ ॥पिपलीचपलाकृष्णामागधीमगधाकक्ष॥कक्षभ्यकृत्यावेदहीमोक्षी
 स्याहीकृतन्दला॥पिपलीदीपनीवृष्यात्वादयाकानसायनी॥आमवानप्रमानी॥
 करुवातकरुनालघु॥पिरुलानेवनीरुनिकोलासोदनकनान॥रुद्रप्रमदगुल्मा
 र्धप्रीरुद्रुलाममोनृतान॥आर्डीकरुप्रदात्रिगुणनीनलामधनागुन॥पिपलि॥
 विरुधयकृत्यामनिचेसुधर्षकद्वकद्व॥चोर्धकद्वयैतत्स्योत्सयनिक्रियगुनेष्वर्ष
 शुषर्षदीयनीरुनिक्रियसकागत्वगमयान्।गुल्ममरुकरुस्त्रोत्यमद॥सीपदयान

32

सान्॥शुषर्ष॥चउन्नुषर्ष॥कक्षमूलकद्वयनिक्रियलीमूलमृषर्ष।षट्त्रयनिक्रियनिक्रि
 कंमूलमागध्वचटिकागिन॥दीयनीपिपलीमूलकद्वर्षयावनीलघु।रुद्रपिरु
 कनीरुदिकरुवागादनायर्द॥पिपलीमूल॥॥चर्वीचवीनमृदिष्टेवविकाकाल
 वन्निका।पिपलीमूलवरुस्याविरुषाद्रुदजायर्द॥सिपि॥तत्तुलीश्रयसीरुसि
 मागधगजपिपली।गजकृष्णकद्वर्षन॥श्रमनृद्रुक्रिदीयनी।उक्कानिरुन्वतीसा
 नश्चसकलमयकमान्॥गजपिपिली॥॥चित्रकोद्रुवरुक्वालादरुनादाश्रम

नन॥ अग्नियालीरुविद्यालीवक्रिनामाविरमषत॥ चिञ्चक॥ कट्टक॥ याक वक्रिच
 त्याचनानलघू॥ नृकाकाग्रहमीकृष्टरगाहार्ग॥ कमिकागजिदू॥ शुष्मानिलहना
 ग्रहिगच्छाकैरुष्मपिरुनू॥ चतका॥ पियलीमगधामूलव्यनागनविग
 के॥ य॥ काल॥ कदनाहउत्तमगलानूचीनूजयत॥ मनिचनयूनीगुरुदृष्ट
 षममदादते॥ यवकाल॥ षष्टम॥ ॥ गतयूष्यागेतीघाषागताकाकानवीमि
 सि॥ अवाक्कूषीत्यगिक्कगारमतिकामागधीयना॥ गतयूष्यालघूस्त्रीकूषीरु

३३

कदीयनीकट्ट॥ उक्तावनानिलरुष्मवधगलानिनागजिदू॥ सतिकागदुग्धप्रा
 षाकाविरमषायानिगलनू॥ गतयूष्यानता॥ कतातवधद॥ ॥ मिरथयामिनि
 गालिन्यागलीगीगमिवामता॥ मिरथयादीयनीदद्यावद्विदूकमिधुकनू॥
 नृकाकागल्लुलीकागवमिरुष्मानिलानूजयत॥ मीथ॥ ॥ मधिकायास्त्रिका
 सलनास्त्रिकावनमधिका॥ अहिरुस्थाल्यउदासुस्थोवागिनीसगुदुग्धजिगाव
 धमीथ॥ ॥ अजमादालग्रगन्धामदाहसिमयूनक॥ खनाकाकानवीवल्ली

वरुमादाचमर्कटः॥ जजमादाकदस्तीकूदीयनः॥ कदवागनुत्। उक्ताविदा
 हिनीहया दृष्ट्यावद्धमलालघू॥ मंगमयकमिच्छदिहिध्यावस्तिनूजा जय
 नू॥ जजमाद॥ ॥ जीनर्कदीर्घर्कशुक्रमजाजीकशजीनर्क॥ जीनर्कजनर्क
 र्कवर्षकालीसर्गाधिकर्क। कालिकावाष्पिकाकर्करी कानवीवायकूविका। दृष्ट्या
 कोसूषवीदृष्ट्यास्कूलाजाशूयकालिका॥ जीनकगृहयन्त्रकूकद्वर्कदीयनर्क
 घासंग्रहियिरुल्लमर्धगर्गाभयविशुद्धकनू॥ चक्षुष्ययवनाध्यान सुलभक

३४

दिवलासजिगू॥ जीन॥ हाकूजीन॥ गवजीन॥ ॥ जवानीदीयकादीयादीयनीया
 जवानिका। जवासाउग्रगन्धास्याकूवाधारुकदम्बक॥ जवानीयाचनीनूयाता
 ष्णाकूकदकालघू॥ वागशूष्मादनानारु सुलभगलकमीनूजयनू॥ नूम्न॥ ॥
 जवानीयाजवानीस्याच्छोहानाजनुनागन॥ चोहानसूक्ष्म॥ प्रकाविशेषाकूमि
 नागन॥ चोहानीजवानूनि॥ ॥ जजगन्धार्किकीयावर्षनीयतिवर्षन॥ कानवी
 खनभूष्याच उद्गीयतिमयनक॥ जजगन्धकदस्तीकूलाकूदयागिदामि

नी॥ दक्षिमीयप्रदालब्धीशुक्रवातकरुण्यदा॥ अजगन्ध॥ ॥ ववाग्रगन्धारगलामी
 षट्पञ्चाजटिलागन्ध॥ जटिलागन्धयवार्वाला मसीहेमवस्यपि॥ ववाककट्टका
 तिकावामिनीस्वनवक्रिकृश॥ अयस्मानकरुण्यदादलतगलानिलान्जयत्॥ वरु
 नताजाग॥ ॥ हयूषावयूषाविश्वविगन्धाविश्वगन्धिका॥ हयूषादीयनीतिकाक
 दूषाशुवनायुन॥ पिलादनसमीनारुग्नीयुल्मगलजिगू॥ अउस्वान॥ ॥
 विजुर्गजन्दुननीकमिर्चकृदगन्दली॥ रुग्नीगन्दलीयाकाकनालीमृगगामि

३३

आमर्ज ३

नकचन्दन॥ ॥ कालीयकपीतसानयाननायुषपियी॥ कालीयकनकगुर्दीवि (भाषा
 द्योगनागन॥ मलचन्दन॥ ॥ बालहासप्रवर्ध॥ ॥ कृष्णगुनृष्यादगुनृनाजा
 हविश्वनृपकी॥ आमर्जनीतीतमलिनीकमिद्वदमनार्जकी॥ कृष्णगुनृषूकधूम्रकिपाग
 नूतपिलुलैलवू॥ कृष्णगुनृ॥ ॥ कृष्णमवालवाक्षीकवर्धमनिनिर्वचनी॥ कासी
 नपीतमाधकसंकाचपिणुनीशुकी॥ कृष्णमंकट्टकीहिध्यानिनृगुणगुनृजित॥
 उष्ट्रहासकनीवर्धवीगदावगुयापही॥ इलकृष्ण॥ ॥ निद्रकृष्णकपिलाधमेष्टु

नृक ४ पिपित ४ क पि ४ ॥ सिद्ध क ४ कृष्ण क ४ घृ ४ सि ॥ घा ४ गु ४ कानि कृत ॥ सिद्ध ॥ ॥
 उलवाल क भर्वाल चाल क रुनिवाल क ॥ उलवाल ४ गीतली रुनि कन्द के सुविष कमीन ॥
 रुट्टुर्दिक रु पिरा सुहृत् प्रवन जिल्लघ ॥ उलवाल क नाम ॥ ॥ जोगीरुल जोगीरु
 मले क मालती सती ॥ जोगीरुल लघु स्वयं द्य दीपन पावनी ॥ उग्रं करुनिल रुट्टुर्दिक मि
 पीन सका ४ जित ॥ जिल्लरुल ॥ ॥ जोगीरुल जोगीरुल मालती पत्रिका तथा ॥ जोगीरुल
 पगील लघु प्रसात् करु क मि विषा पहा ॥ जोगीरुल ॥ ॥ लवगीरुल नैदियील वन्दन

40

3

पृथकी पी पृथी दव कसमी ॥ रुद्र नैवानि संरुवी ॥ लवगील लघु वक्ष्यं द्य दीपन पावनी ॥ मूला
 नाह करु ४ सका ४ रुट्टुर्दिक या पहा ॥ लव ॥ ॥ के कोल के रु के कोली मानी र्व माधवा धि
 ती ॥ के कोल मूर्ध्द दग करु वाता निमीय जित ॥ के कोला ॥ ॥ उलागुटि धनु वला वरु
 लानि रुट्टुर्दिक ॥ कपात वक्ष्यं सु मला कान्दी दा विठी मवी ॥ उलासु ४ करु ४ सका ४
 ॥ मूर्ध्द रुट्टुर्दिक जित ॥ सुक माल ॥ ॥ सुलेला पिपुटा कन्या रुडला पिदिवा रुवा ॥ सुलेला
 नावनी ती काल घे प्र करु पिरु जित ॥ रुद्रास विष वरु आदि निशान्म मि को ४ जित ॥ उला ॥

॥ ॥ स्वर्वनाङ्गसकलैव कवावेतनकैवल्ये ॥ लाटपध्नीयुनेरुङ्गकुलवकुलवृत्तमिके ॥ त
वलघुषु कर्क विनादस्वादपिरुत्त ॥ हंसिनागवाता ॥ ४ ॥ पीनसकेमिपिरुनते ॥ लवठ
वाव ॥ ॥ पञ्चदलाकतासुसंतमालीनामनामसं ॥ पञ्चमृकट (क्षुष्माहस्वोसा ॥ ५ ॥ नि
लोपह ॥ पातक ॥ ॥ नागकलनकनावांचीथयिकलनीगज ॥ नागकलनकैरुर्कमुद्र
लेखामयाचने ॥ दीर्गच्छकृद्वीसर्वाकटपिरुविषायह ॥ नागकलन ॥ ॥ प्रलालिखि
रिनुदिष्टिजागैपिसुगन्धिके ॥ वाडुर्जागैसनागीततद्वयवातकरायह ॥ जिजातक ॥

४२

४

वाडुर्जातक ॥ ॥ तालीसपञ्चतालीसैधडीपञ्चसकादनी ॥ अपनीयथिकापञ्चपञ्चाग्रुलसीकृदश ॥
तालीसैलघुगीक्षुष्माहसकाकलनिलान ॥ निरुन्ननृचीगुल्मामवद्विमान्द्रुदयामयान ॥ ॥
तालीसस्वान ॥ ॥ नलामदनधीजानभनृषीतवृद्धक ॥ नलनृकधुक्कधुक्कगदधु ॥ ॥ लघु
कट्ट ॥ ॥ थिसिमा ॥ ॥ धीवासवेष्टकायासीधीनिवासकलिद्रुम ॥ धीवासकुरुमूढादिना
गवातरुनृसन ॥ ॥ धीवासनाम ॥ ॥ बालकैवात्रिजीवनैपिगवावमनैकवै ॥ उदीचीवडा
मैथकैवत्रिर्गैधिमूलकै ॥ बालकैधीगलैरुर्कलघुदीपनयाचने ॥ नकपिरुदन (क्षुष्मादाह

पूष्यलुकपूष्यविवर्धुके॥यक्षिपधूलिचलिकानूयाप्र४करुवातजित॥कटिवनानाम॥ ॥नलिका
 नरुकीलूनानिर्ममवमतीनटी॥नलीपिलासुजिह्वावाचक्याकेसुककुजित॥ ॥नलीनाम॥
 पप्रकेमलयैवानूपीतनकचसपरी॥पप्रकेदाहविस्रटकस्र(क्ष्माधुपिरुहृत्॥गर्भसैकापन
 नीर्त॥रुष्मावीसर्वादाहजित॥पप्रकनाम॥ ॥प्रपौधुनीकेपौधुदं॥तपूष्यसपूष्यके॥पौधु
 कं॥कुल्लेगीर्त॥चक्षुषी(क्ष्मापिरुहृत्॥प्रपूधुनीक॥ ॥तगनेवर्हिनेजिह्वेवकाकेनधूषनटी॥
 अपनेपिस्तुतगनेदीनेकरुमहानगी॥तगनेमधूर्नेत्रिर्धनिक॥धूलिचलितजित॥विषापस्मानमू

४४

१

इन्द्रिवागदाषज्यापहं॥तकनाय॥पिधुतगनाय॥ ॥(गमभावनात्रि(र्भेनीभावनापिंग
 लामता॥मैगल्या(गममीमध्वर्वध्व(गपिरुसक्रवा॥भावनाशीतलापथमगर्कध्रुवग्रहासु
 जित॥(गमभावना॥ ॥नखाकांनखन४हिल्यीहृन्नीगहन४खन४॥धुक४र्षायाधुनख
 मन्यद्याधुतनीपदी॥नखधर्यग्रह(क्ष्मावाताधुनकस्रजित॥लघुकेधुकल्लेवलीहृत्तीखाद्वि
 षापहं॥नकिभताजात॥ ॥परु३०पदंनार्गनार्गस्याडककोषकवन्दनी॥सूर्नीकेडकेपदंन क
 परुनेपरुनेजनी॥परु३०मधूर्नेगीर्तपिरु(क्ष्मावधुजित॥पतति॥ ॥लोकात्रिर्धनंनानका
 निर्नस्वभा

इमयाधिपनीकया॥कमिजाऊदुदीफाकायावकाइलककामल॥लाकावक्ष्महिमावल्याविग्ध
 (धृष्ट्याधृष्टिरुजित॥व(स्थनकतवीसर्षकमिकुष्टवृक्षपहा॥आनककोगुलेसुदधि(धृष्ट्याधृष्टि
 गनाशन॥लाहो॥मूलना॥॥पर्यटीनेऊनीकप्राऊनुकाऊननीऊनी॥पर्यटीवर्षदाहीता
 करुपिरुसुदाहजित॥पापतीनाम॥॥पप्रवानिन्यतिवलापप्राकावानतीमगा॥पप्राहि
 मालघु॥(धृष्ट्याधृष्टिरुजितनदार्थकृत॥रुसिं॥पप्रिनीविसिनीरुयानलिनीसूर्यवल्लरा॥कम
 धनीकेनविहीकमृदिन्यपइप्रिया॥पप्रिनीहीतलागुर्वीपिरु(धृष्ट्याधृष्टिरुजित॥नृकविष्ट

४५

किनीखाइलदत्तकमृदिनीमगा॥सामान्यपक्षववल्लखान॥॥कमलैस्वतममकाऊमान
 सैसनसीनृह॥सरुधुपईधी(गहैतयईक(धृष्ट्याधृष्टि॥पैकनृहैतामसैनाऊवीपूकनैकहै॥
 भूकमकाऊहैपप्रैपुष्टुनीकैचपैकऊ॥नालैसनाऊनलिनमनविन्दैमहात्यलै॥तलतऊ
 वतायपक्ष॥॥नकात्यलाकाकनदहृक्षकैनकसम्भिक॥नीलात्यलैकवल्लयैरुदमिदी
 वलैमगै॥उतदवसितैकिंचित्कमृदकैनवैकमृत्॥॥आहुउरुल॥उवृउरुल॥गाय
 ववल्लरुल॥॥कमलैहीतलैवर्षमधुनैकरुपिरुजित॥रुष्टादाहाप्रविष्टाटविषवी

सूर्यनाशनं ॥ तस्मादल्पगुणं किं विदुर्नकात्पलादिकं ॥ कमलं ॥ ॥ कङ्कालेऽस्वपा ॥ अङ्गुली ॥
 सौगन्धिकं मणं ॥ कङ्कालं ग्रहिविहंति नृकं पुनरुत्तरीतलं ॥ कङ्कालं ॥ ॥ किङ्कलकं कङ्कालं ॥ गेन
 मायीर्नकां च नादयं ॥ किङ्कलकं ॥ तलाग्रही नका ॥ कङ्कालं ॥ पलकं ॥ ॥ पद्मवी
 जं तु गलाग्र पद्मार्कं पद्मकं कटी ॥ पद्मवीजं हि मेखाद्गर्भं संस्थापनीयेन ॥ कङ्कालं कर्तव्यं क
 रुपिस्त्रसुदाहजित् ॥ पलकं ॥ ॥ मृक्षालं विहंति मेखाङ्गना नैव नलिनी नृहं ॥ पद्मादिमूलं ॥
 लूकं ॥ मली नैक नहाटकं ॥ मृक्षालं गीतलं वृष्यं पिरुदाहजित् ॥ सौगन्धिकं मधुनैव नृकं मल

४३

२

रुल्लेषं महार्कं कृमिवाकं कुरुपहं ॥ पलाससि ॥ ॥ धवानन्दितनू ॥ गेन सकाका
 धूनेधनं ॥ धवर्णीतप्रमहासुपाधुपिरुकरुपहं ॥ धवनाम ॥ ॥ धवना ॥ गेन विटपी
 धर्मना ॥ गेन पुष्पकं ॥ धवनं कुरुपिरुसुका ॥ जित्तुवनालपुं ॥ ॥ धामिन्गम ॥
 ॥ ॥ सङ्गिजकं ॥ धवनालगावकं ॥ कुरुपहं ॥ सङ्गिजकं ॥ कुरुपहं ॥ मलपिरुकमीन
 जयत् ॥ साङ्ग ॥ ॥ मखाटस्यात्पीतपुष्पं ॥ गङ्गी न विनामकं ॥ मखाट्यावातनका
 कुरुवातातिसानजित् ॥ ॥ वनस्थानावर्णं ॥ मल्लकं ॥ कुरुपहं ॥ कुरुमानकं ॥ वनस्थ

लारुदी। ध्रुवकृष्णार्धमानृतान्॥ निरुक्तिगुल्मवातासुहृमिन्मृगिदीपनः॥ वरुहसि॥ ॥
 किंगिनीकिंगिनीकिंगीसुनिर्यासाप्रभादनी॥ किंगिनीवृक्षद्वारागवातीगीसानजित्कदू॥ उर्व
 तस्यासुनिर्यासस्तस्यावाह्यथपह॥ खखल॥ ॥ गल्लकीवल्लकीभावागजरुक्कामहा
 नृहा॥ गन्धवीनाकन्दरुकीसक्तवागसिकर्षिका॥ गल्लकीवृक्षपिरुत्तु(ध्रुवनकातिसानजित्॥
 गनीनाम॥ ॥ ॐ ह्रीं उरुल्लकीवृक्षकटुकस्तपसापमः॥ ॐ ह्रीं दृष्टकस्तुतादियुहवदो ३०
 विषकमीन॥ हस्तपृष्ठध्विज ध्रुवगुरुलंकद्वाराजित्॥ हिमगटनाम॥ ॥ कटोरनध्व
 कैटहनौमंउ

[illegible]

नरुवन्तुर्व्यदधिस्त्रिगुणं गुह्यं हर्म ॥ पिरुमिला परं सर्वं धत्वमिव लवई नं ॥ इ
 दास्ये रिया धनि ॥ ॥ असा नंद धि स ग्राहि कषायं वा तलं लपु विष्टं हि दी पन
 न्व्यं ग्रहणी नागनाशनं ॥ कतले धनि ॥ ॥ सधर्क नंद धि ध्रुष्टं कषू पिरा तु
 ॥ साष वो धनि ॥ ॥ सगुडं वा न नृदृष्टं ग्रह नं तर्ष र्ण गु नृ ॥ ॥ वस नं अत दि यी
 के दधि प्राय न निदि तं ॥ वस नं कष न त्का न स ग्री ष स ध नि म त व ॥ ॥ रु स नं डि
 मि नं अस्ती वर्षा स च गु ना वरु ॥ ध्व नं गु स ति ६ ॥ म म क कृ त्र वो का ६ ॥ अत रा

२३

आर्जक रुह नं नृ कं क मि दृ ड वि ना धनं ॥ सल वा ॥ ॥ इष्ट मन्माद ६ ॥ अत
 ६ क मि ध्रु ला द त्रा य ह ॥ उ थ वो ॥ ॥ ग म द रं ग्रह शी न ह क षी ना द क र्म
 न ज य त् ॥ ग म ध वो ॥ ॥ न न मू ग ग नं हानि स वि नं स नृ ला य न ॥ मान
 ष वो ॥ ॥ ग म जा वि म हि षी अं तु वि म ग उ अ स्य त ॥ ष गी दुर न ना अ म नी
 पु सी मू ग हि तं स न ॥ ॥ अति ध्रु म द न वि धि नि य ६ ॥ इ व र्ज नृ र्म स
 म ॥ ६ ॥ अति ध्रु म द न वि धि नि य ६ ॥ इ व र्ज नृ र्म स

विस्मयसादनमीक्षमानं. जसीदयानन्दबिन्दुनमामि॥ ॥ ॐ कर्मरानसा
 वंशनिर्गमतागुदपत्रक॥ नननाजीमधूनल्ल, गम्भीनीमल्लयेष्यक॥ ॐ
 समुत्तीर्णाहिक॥ योशुक॥ योशुकापत्र॥ नेसान॥ सुकमात्रीपि. कर्कश
 नकीमत॥ धनंशुया. व्यागलनाम॥ ॥ ॐ ॥ स्वादुगुन॥ ॐ ॥ वृष्यसिखेव
 लषद॥ जीवनावातपिरुपू॥ कूर्यान्मृगकुरुकमीन॥ ॥ समुल्लमधुनीत्यर्थ
 मधुमधूनवववा. अग्रेयनिष्पविद्मये. लवेक्षानसेतस्तथा॥ सकलेषुया

१०४

२०

गुहा॥ पालदथ. चाकू. चात्वाक. अथि. चल्॥ ॥ लीहिर्गुगुन॥ ॐ ॥ दा
 हपिलास्रककृति॥ म्फदूकस्यान॥ ॥ योन्दक॥ ॐ ॥ तलं. सिखेव. वंरुन
 ॥ कुरुकन्सन॥ हासाकृष्णु॥ ॥ कर्कशसुक्ष्मवैस॥ ॐ ॥ कान॥ किष्किरुत
 लम॥ हाकूकस्यान. दांगु. अथिर्गसुगु॥ ॥ अथिर्गसुगु॥ ॥ कां. कान. तापसस
 द्वाका॥ ॐ ॥ शर्वीतलाहिम॥ ॐ ॥ की. भकानीगुन॥ ॐ ॥ नकपिरुदयापहं॥ ॥ कं. का

5

10

15

20

त्रिउ॥ ॥ वृद्धाकठु॥ ॥ अवीपशनीलपलानपालादीर्घपत्रक४ वातलाकरूपि
एषाः सकषाया४ विदाहिन४॥ ४४॥ ॥ दन्तनिष्पीडितरुषीनस४ पि
लासनाभान४॥ सर्कनासमवीपस्योदविदाहीकरूपद॥ ॥ गुर्विदाहीविष
कीयान्ति करूपकीर्तिन४॥ यज्ञनकाशनसक्ति॥ ॥ सितामल्यश्लिकावल्लीमी
नाशुपूनकरुथा॥ ॥ अन्यासिनीपलाभुद्धासिनकाचक्रिकामता॥ मालखेष्ट
श्वसुसिनामाधवीमचूषकना॥ रुमिर्नरुद्रगुठकीगुठमिश्रनसाहव४॥ थर्न

१६५